www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 172 | जौनपुर शुक्रवार, 06 फरवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

ऊधमपुर में 22 घंटे चली मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू संभाग के पहाड़ी और घने जंगलों में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों के बीच सुरक्षा बलों को बुधवार को बड़ी सफलता मिली। ऊधमपुर जिले के ऊपरी जंगल क्षेत्र में 22 घंटे तक चली मुठभेड़ में दो कुख्यात आतंकियों को मार गिराया गया। वहीं किश्तवाड़ के बर्फ से ढके जंगलों में हुई एक अन्य मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया। दोनों क्षेत्रों में शेष आतंकियों की तलाश के लिए तलाशी अभियान जारी है।सूत्रों के अनुसार, ऊधमपुर जिले के रामनगर और बसंतगढ़ के बीच ऊपरी जंगल जगरेडा क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद सेना की सीआईएफ डेल्टा यूनिट, व्हाइट नाइट कोर, जम्मू–कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने मंगलवार को संयुक्त अभियान शुरू किया। इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन किया' नाम दिया गया। मंगलवार शाम करीब चार बजे सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। आतंकियों ने एक प्राकृतिक गुफा को ठिकाना बना रखा था और वहीं से फायरिंग कर रहे थे। इलाके की भौगोलिक परिस्थितियां बेहद चुनौतीपूर्ण थीं– घना जंगल, ऊंचाई और सीमित दृश्यता। आतंकियों की सटीक स्थिति का पता लगाने के लिए ड्रोन की मदद ली गई। रातभर क्षेत्र की घेराबंदी बनाए रखी गई। सुरक्षाबलों ने संयम और रणनीतिक धैर्य के साथ ऑपरेशन जारी रखा।

महात्मा गांधी नरेगा को बहाल करने की मांग

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक विधान सभा के दोनों सदनों ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र सरकार के "विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम" को लाने के कदम की निंदा की गई और मांग की गई कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को उसके मूल रूप में बहाल किया जाए। यह प्रस्ताव भाजपा और जनता दल (सेकुलर) के सदस्यों के कड़े विरोध के बीच पारित किया गया।विपक्ष के सदस्यों ने इस प्रस्ताव की निंदा करते हुए वॉकआउट किया। स्पीकर यू टी खादर और अध्यक्ष बसवराज होरटी ने क्रमशः विधानसभा और विधान परिषद में प्रस्ताव पर मतदान कराया और यह घोषित किया कि वीबी जीराम जी के खिलाफ प्रस्ताव संबंधित सदनों में स्वीकार कर लिया गया है क्योंकि वोटिंग में राज्य की कांग्रेस सरकार के पक्ष में रही।प्रस्ताव पारित होने के बाद दोनों सदनों की कार्यवाही सत्र स्थगित कर दी गई। पहले, विधानसभा में बोलते हुए ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री प्रियांक खारगे ने कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेता एल.के. अद्वानी ने नरेगा योजना की तारीफ की थी। उन्होंने सवाल उठाया कि नए वीबी जीराम जी अधिनियम में वास्तव में क्या है। भाजपा के नेताओं को भी इस अधिनियम की पूरी जानकारी नहीं है। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने लोकसभा में मजदूरों के जीवन पर सवाल उठाए थे।

चाइनीज मांझे पर सीएम योगी ने लगाई रोक

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बाजारखाला में चीनी मांझे में फंसकर एक युवक की मौत के बाद प्रदेश की योगी सरकार ने सख्त निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में चीनी मांझे के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पुलिस अधिकारियों को पूरे राज्य में छापेमारी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि चीनी मांझे से होने वाली मौतों को हत्या माना जाएगा। पूरे राज्य में की गई कार्रवाई की उच्च स्तर पर समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और लखनऊ शहर में पतंग की कई दुकानों पर छापेमारी की है। शहर के हैदरगंज और मोतीझील इलाके में पुलिस ने छापेमारी की है। मोतीझील इलाके में डीसीपी विश्वजीत श्रीवास्तव, एडीसीपी धनंजय सिंह विक्रम और बाजारखाला थाना पुलिस ने छापेमारी की। बुधवार को बाजारखाला में पतंग की डोर ने एक युवक का गला रेत गया। इस दौरान गले की नस कट जाने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, कुछ दिन पहले हवा में उड़ती पतंग के तार के हाईटेंशन लाइन पर गिर जाने से मेट्रो मेट्रो ट्रेनें जहां की तहां रुक गई थीं। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीनी मांझे के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है और इसके कारण होने वाली मौतों को हत्या की श्रेणी में रखा जाएगा। मांझे के इस्तेमाल पर रोक के लिए पूरे राज्य में कार्रवाई की जाएगी जिसकी उच्चस्तर पर समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है। लखनऊ के बाजारखाला हैदरगंज ओवरब्रिज पर बुधवार दोपहर मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार दुबग्गा के सीते बिहार निवासी सैयद शोएब (34) की गर्दन कटने मौत हो गई। शोएब मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव थे और किसी काम से मिल एरिया की ओर से हैदरगंज जा रहे थे। इंस्पेक्टर बाजारखाला बृजेश सिंह ने बताया कि ओवरब्रिज पर अचानक हवा में लटका मांझा शोएब की गर्दन में फंस गया। मांझा इतना तेज और मजबूत था कि उससे शोएब की गर्दन की नस कट गई। दर्द से तड़पते हुए उन्होंने मांझा हटाने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई और वह सड़क पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत ई–रिक्शा से उन्हें ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया।

पीएम मोदी ने सीएम तमांग को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने जनसेवा के प्रति तमांग के समर्पण को याद करते हुए उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग को जन्मदिन की शुभकामनाएं। लोगों की सेवा में उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, प्रेम सिंह तमांग को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपको अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की शुभकामनाएं, ताकि आप सिक्किम के लोगों के लिए काम करते रहें।केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लिखा, षसिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आप स्वस्थ एवं दीर्घायु हों। आपके नेतृत्व में राज्य सतत् विकास की दिशा में नई ऊंचाइयां प्राप्त करता रहे, यही मंगलकामना करता हूं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और लंबी उम्र की कामना करता हूं।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लिखा।

गोगोई समेत कांग्रेस नेताओं पर मानहानि का केस करेंगे सीएम सरमा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा उन पर किए गए राजनीतिक हमले पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस नेताओं गौरव गोगोई, भूपेश बघेल, जितेंद्र सिंह अलवर, और देबब्रत सैकिया के खिलाफ दीवानी और आपराधिक मानहानि की कार्रवाई शुरू करेंगे।सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कानूनी कार्रवाई 9 फरवरी को शुरू की जाएगी। इससे पहले उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके खिलाफ झूठे, दुर्भावनापूर्ण और मानहानिकारक बयान देने का आरोप लगाया।राजनीतिक दबाव से न झुकने की घोषणा करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि हमला करके भागने की राजनीति का युग समाप्त हो गया है और उन्होंने अपने विरोधियों को अदालत में अपने आरोपों को साबित करने की चुनौती दी। अगर उनमें जरा भी साहस या सबूत हैं, तो उन्हें हर आरोप को अदालत के सामने साबित करने दें।सरमा ने कहा कि वह दुष्प्रचार, सुनियोजित मानहानि या राजनीतिक नाटकबाजी से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर गांधी परिवार के इशारे पर काम करने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा उन पर बोले गए राजनीतिक हमले के बाद आई।

राजनाथ सिंह ने टीम को दिया जीत का मंत्र, देश को गौरवान्वित करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को साउथ ब्लॉक से अर्जेंटीना के माउंट एकोनकागुआ के लिए एक संयुक्त अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 6,961 मीटर ऊँचा यह पर्वत दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी और एशिया के बाहर सबसे ऊँचा पर्वत है। यह संयुक्त अभियान नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (एनआईएम), उत्तरकाशी और जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान (जेआईएम एंड डब्ल्यूएस), पहलगाम द्वारा संचालित किया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने एनआईएम और जेआईएम एंड डब्ल्यूएस को साहस, दृढ़ता और संकल्प के साथ चुनौतियों का सामना करने के लिए कर्मियों को तैयार करने के लिए बधाई दी। टीम को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि इस दुर्गम चोटी पर चढ़ाई करना केवल शारीरिक सहनशक्ति की परीक्षा नहीं है, बल्कि नेतृत्व, टीम वर्क और मानसिक दृढ़ता की सच्ची परीक्षा है, जो भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्वतारोहियों की पहचान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टीम के सदस्य दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी और एशिया के बाहर सबसे ऊँचे पर्वत पर सफलतापूर्वक अभियान पूरा करेंगे और देश को गौरवान्वित करेंगे। रक्षा मंत्री ने टीम को शुभकामनाएं दीं और पर्वतारोहण अभियान में उनकी सफलता पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। माउंट एकोनकागुआ दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी और एशिया के बाहर सबसे ऊंचा पर्वत है। यह अद्भुत है। आप सभी ने साहस और वीरता का प्रदर्शन किया है, जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। मेरी शुभकामनाएं आप सभी के साथ हैं। मुझे विश्वास है कि आप इस बार भी पर्वतारोहण अभियान में सफल होंगे। छह सदस्यीय टीम में कर्नल हेम चंद्र सिंह, कैप्टन जी संतोष कुमार, दीप बहादुर साही, विनोद गुसैन, नबी सूबेदार भूपिंदर सिंह और हवलदार रमेश कुमार सहित उच्च प्रशिक्षित प्रशिक्षक शामिल हैं। यात्रा शुक्रवार (6 फरवरी) को शुरू होगी और अभियान के महीने के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। माउंट एकोनकागुआ पर प्राप्त ज्ञान, अनुभव और आत्मविश्वास देश भर के युवाओं, सशस्त्र बलों के कर्मियों और साहसिक कार्यों के शौकीनों के लिए सुरक्षित, मजबूत और अधिक प्रभावी प्रशिक्षण में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देगा।

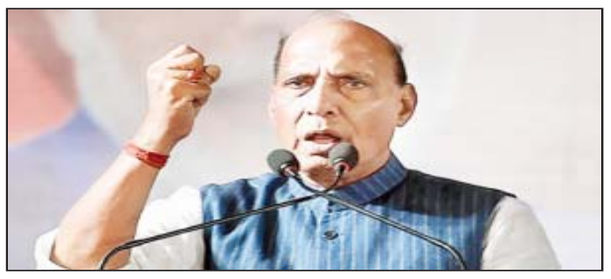

राहुल गांधी को नहीं बोलने दिया तो सदन नहीं चलेगा : जयराम रमेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को चेतावनी दी कि अगर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 2020 में चीन के साथ हुए गतिरोध पर संसद में अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी गई तो सदन के चलने की संभावना बहुत कम रह जाएगी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि संसद में केवल एक ही मुद्दा है जो विपक्ष को परेशान कर रहा है, और वह यह है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने से रोका गया है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने भी यही मुद्दा उठाया। राज्यसभा में विपक्षी सांसद भी आज इसी मुद्दे पर सदन से बाहर चले गए। रमेश ने आगे कहा कि सभी विपक्षी दल इस बात पर एकमत हैं कि अगर लोकसभा सांसद को बोलने नहीं दिया गया, तो सदन के चलने की संभावना बहुत कम है। कांग्रेस ने संसद में कई मुद्दे उठाए हैं, जिनमें से एक प्रमुख मुद्दा पूर्वी लद्दाख में 2020 के चीन गतिरोध पर एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़ा है। कांग्रेस का कहना है कि लोकसभा सांसद राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे (सेवानिवृत्त) के उद्धरण देने से कई बार रोका गया। भाजपा नेताओं ने बचाव में कहा कि यह सदन के नियमों का उल्लंघन है और इससे सशस्त्र बलों का मनोबल गिरने का खतरा है। संसद में लगातार हो रही बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव में भाग न लेने का फैसला किया। जयराम रमेश ने याद दिलाया कि जून 2004 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव में इसलिए भाग नहीं लिया था क्योंकि उन्हें जवाब देने से रोका गया था। उन्होंने आगे कहा कि मनमोहन सिंह ने 2005 में राष्ट्रपति को दो बार धन्यवाद दिया था। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री और भाजपा को याद दिलाना चाहता हूं कि जून 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब इसलिए नहीं दिया था क्योंकि उन्हें जवाब देने से रोका गया था। 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने राष्ट्रपति को दो बार धन्यवाद दिया था, क्योंकि वे 2004 में धन्यवाद नहीं दे पाए थे। बुधवार शाम 5 बजे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी के जवाब की उम्मीद थी। लेकिन विपक्षी सदस्यों द्वारा बार–बार व्यवधान डालने और नारेबाजी करने के बाद, अध्यक्ष ने लोकसभा स्थगित कर दी।

सीएम रेवंत रेड्डी ने तेलुगु संस्कृति का किया अपमान : नितिन नवीन

महबूबनगर, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बुधवार को तेलंगाना दौरे पर पहुंचे। इस दौरान महबूबनगर में आयोजित बूथ सम्मेलन में उन्होंने तेलंगाना की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया और मुख्यमंत्री पर तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। नितिन नवीन ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पार कर चुके हैं और उनका मकसद केवल समाज में विभाजन पैदा करना है।उन्होंने कहा कि तेलंगाना की राजनीति आज एक गंभीर मोड़ पर है। जनता को लगातार भड़काया जा रहा है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने यहां के तेलुगु लोगों, भाषा और संस्कृति को दबाने का काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने सनातन परंपरा और संस्कृति का भी अपमान किया है। नितिन नवीन ने कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस केवल मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करती है और जनता या तेलुगु लोगों के हितों की कोई परवाह नहीं करती।भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राज्य में तुष्टिकरण की राजनीति इतनी बढ़ गई है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने खुलेआम यह नारा दिया कि ष्कांग्रेस मुसलमान है और मुसलमान कांग्रेस है,ष जिससे यह साफ है कि राज्य की सियासत केवल धार्मिक आधार पर बांटने और वोट बैंक की राजनीति करने तक सीमित हो गई है। उनका कहना था कि ऐसा करना राज्य के लोगों के लिए नुकसानदेह है और इससे समाज में फूट और अस्थिरता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि किसी मुख्यमंत्री द्वारा इस तरीके से बयान देना बेहद शर्मनाक बात है।

जिस दिन हादसा हुआ, उस दिन मुझे भी अजित पवार के साथ यात्रा करनी थी : महादेव जानकर

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री महादेव जानकर ने दावा किया है कि पिछले सप्ताह बारामती में हुए विमान हादसे वाले दिन उन्हें भी उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ यात्रा करनी थी, लेकिन मुंबई देर से पहुंचने के कारण वह उनके साथ नहीं जा सके। पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे पर 28 जनवरी को सुबह करीब आठ बजकर 45 मिनट पर एक चार्टर्ड विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें मुंबई से सवार अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। राष्ट्रीय समाज पक्ष (आरएसपी) के प्रमुख जानकर ने बुधवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दुर्घटना से कुछ दिन पहले उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता पवार से बातचीत हुई थी और उन्हें उसी विमान से बारामती जाने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने कहा, "हालांकि मैं मुंबई देर से पहुंचा, जिसके कारण मैं अजित पवार के साथ बारामती विमान से नहीं जा सका। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और पवार की मृत्यु राज्य के लिए एक बड़ी क्षति है।" धनगर (चरवाहा) समुदाय के नेता जानकर पश्चिमी महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ जिलों में प्रभाव रखने वाली आरएसपी के प्रमुख हैं। वह 2016 में भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार में पशुपालन, दुग्ध विकास और मत्स्य पालन मंत्री रहे थे।

केंद्र ने लंबे समय से झारखंड के हक और हिस्से का पैसा रोक रखा है : हेमंत सोरेन

धनबाद, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र की सरकार पर झारखंड के साथ लगातार सौतेले व्यवहार का आरोप लगाया है। झामुमो के 54वें स्थापना दिवस पर धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बुधवार को कहा कि केंद्र ने लंबे समय से झारखंड के हक का पैसा रोक रखा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जिस तरह आंदोलन के जरिए अलग झारखंड राज्य हासिल किया गया था, उसी तरह राज्य के लंबित बकाये को हासिल करने के लिए भी संघर्ष किया जाएगा। सोरेन ने दावा किया कि यदि झारखंड को उसका वाजिब वित्तीय हिस्सा मिला होता, तो राज्य आज तेलंगाना, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ से कहीं आगे होता।उन्होंने कहा कि झारखंड ने देश को खनिज, श्रम और संसाधन दिए, लेकिन बदले में यहां के लोगों को गरीबी, अशिक्षा और शोषण मिला। सोरेन ने देशभर की चाय बागानों में कार्यरत आदिवासी श्रमिकों के शोषण का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि देश का चाय उद्योग आदिवासी श्रमिकों के खून–पसीने से खड़ा हुआ है, लेकिन आज भी वही समुदाय सबसे ज्यादा शोषण और उपेक्षा का शिकार है। सोरेन ने कहा कि करीब 150 साल पहले झारखंड के आदिवासियों को सिलिगुड़ी, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना और अन्य राज्यों के चाय बागानों में जबरन, कई बार बंदूक की नोक पर, मजदूरी के लिए ले जाया गया था। वो आदिवासी आज भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन उनकी तकलीफों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है।सोरेन ने इसे गंभीर और शर्मनाक स्थिति बताते हुए कहा कि वह जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर चाय बागानों में काम कर रहे आदिवासी श्रमिकों के लिए सम्मानजनक जीवन और बेहतर कार्य परिस्थितियों की मांग रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज ने न केवल चाय उद्योग, बल्कि गुजरात सहित देश के कई राज्यों के विकास में निर्णायक भूमिका निभाई है, इसके बावजूद उन्हें उनके संवैधानिक अधिकार नहीं मिल पाए हैं। राज्य में हो रहे नगर निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए सोरेन ने आदिवासी समाज से एकजुट होकर राजनीतिक ताकत दिखाने की अपील की। झामुमो अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी की स्थापना 4 फरवरी 1973 की मध्यरात्रि में धनबाद में हुई थी, और यही कारण है कि धनबाद का गोल्फ ग्राउंड झामुमो के इतिहास में प्रतीकात्मक महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि अलग–अलग जिलों में अलग तिथियों पर स्थापना दिवस मनाया जाता है, लेकिन धनबाद का आयोजन पार्टी की जड़ों की याद दिलाता है।

संपादकीय

रणनीतिक शक्ति अभाव का शिकार

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बरक्स राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। साल 2025–26 के आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने माना है कि भारतीय रुपया बदलती भू–राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रणनीतिक शक्ति के अभाव का शिकार बना है। 2025 में रुपये की तुलना में डॉलर छह प्रतिशत महंगा हुआ। ऐसा उस समय हुआ, जब खुद डॉलर का भाव प्रमुख मुद्राओं (यूरो, येन, स्विस फ्रैंक आदि) के बास्केट की तुलना में करीब 11 फीसदी गिरा। केंद्र के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में व्यापार लाभ और विदेश स्थित भारतीयों की तरफ से कमा कर भेजी गई रकम रुपये को सहारा देने में नाकाफी साबित हुए हैं। ये चालू खाता के घाटे की भरपाई नहीं कर पाए। जो देश ऐसे घाटे में हैं, उनकी मुद्राओं की कमजोरी खासकर भू–राजनीतिक बदलाव के दौर अधिक उभर कर सामने आई है। दूसरी तरफ जिन देशों ने मैनुफैक्चरिंग का मजबूत आधार तैयार किया, उनकी मुद्राएं स्थिर और मजबूत बनी हुई हैं। मगर इस बिंदु पर भारत की मौजूदा कमजोरी का ठोस जायजा पेश करने के बजाय रिपोर्ट अतीत की आड़ लेती मालूम पड़ी है। कहा है कि मैनुफैक्चरिंग में मजबूत देशों ने इसका आधार तब तैयार किया, जब परिस्थितियां अनुकूल थीं। यह मुद्दा प्रासंगिक है कि उस दौर में भारत ऐसा आधार तैयार करने से क्यों चूक गया। मगर यह प्रश्न भी उतना ही उचित है कि क्या उसका रोना रोते रहना समाधान है? यह अच्छी बात है कि रिपोर्ट में सरकार की भूमिका पर जोर दिया गया है। कहा गया है कि मौजूदा सवालों का जवाब ढूंढने के लिए राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को उसमें बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। जिन भू–राजनीतिक बदलावों की बात की गई है, वे अब ठोस शक्ल ले रही हैं। मगर ऐसा होने के संकेत कई वर्षों से मिल रहे थे। उस समय दूरदृष्टि दिखाई गई होती, तो वर्तमान चुनौतियों का बेहतर मुकाबला किया जा सकता था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नीति–निर्माण के सर्वोच्च स्तर अब भी उसका अभाव ही नजर आता है।

सत्ता की निष्कंटक राह बरास्ते सुनेत्रा की ताजपोशी

उमेश

राजनीति जज्बात से नहीं, हालात के हिसाब से चलती है। महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसका उदाहरण है। सुनेत्रा के आंसू अभी सूखे भी नहीं, पति अजित पवार के निधन के शोक से उबरना तो दूर की बात है। फिर भी उन्होंने सियासी तकाजे को ही प्राथमिकता दी और महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया। पारिवारिक वज्रपात के बीच सिंहासन पर बैठने को लेकर उनकी आलोचना स्वाभाविक है, क्योंकि समाज के सोचने का अपना ढंग है। सियासी हस्तियों से भी उसे सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों को अपनाने की उम्मीद रहती है। सुनेत्रा सामाजिक सवालों से बच नहीं सकतीं। लेकिन सवाल यह है कि सुनेत्रा की ताजपोशी से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ने जा रहा है? प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर क्या वजह रही कि सुनेत्रा ने आनन–फानन में शपथ ले ली। महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी। महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। शरद पवार तो खुलकर स्वीकार भी कर चुके हैं कि उनकी ओर से जयंत पाटिल, अजित पवार से बात कर रहे थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि 12 फरवरी को दोनो पार्टियों के विलय पर अजित और शरद में सहमति हो चुकी थी। लेकिन अजित के न रहने के बाद समीकरण बदल गए। अजित के साथ गए अहम नेताओं प्रफुल्ल पटेल, आर आर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गईं। उन्हें डर था कि अगर विलय हुआ तो शरद पवार की पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके चलते सुप्रिया सुले की पार्टी पर पकड़ बढ़ जाएगी। सुप्रिया के नियंत्रण में इन नेताओं का काम करना असहज होता। प्रफुल्ल कभी शरद पवार के बेहद नजदीकी होते थे। अजित के साथ जाकर एक तरह से उन्होंने शरद पवार के साथ दगाबाजी ही की है। उन्हें ज्यादा आशंका थी कि विलय के बाद पार्टी पर पकड़ होने के चलते शरद के बहाने सुप्रिया का चाबुक उन पर चल सकता है। लेकिन अगर पार्टी अलग रहती है और सुनेत्रा के हाथ कमान रहती है तो इन नेताओं की सियासी सेहत बनी और बची रह सकती है। यही वजह है कि अजित के निधन के चलते हुए आधिकारिक शोक की मियाद खत्म होते ही प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे जैसे नेता सक्रिय हो गए। विधायक दल की बैठक बुलाई गई और सुनेत्रा को तत्काल उसका नेता चुनकर उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए तैयार कर लिया गया। शरद पवार भले ही इस सियासी पटकथा का लेखक सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को मानते हों, लेकिन महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कहा जा रहा है कि असल में यह पटकथा राज्य की बीजेपी ने लिखा है। पटेल और तटकरे जैसे नेताओं ने सिर्फ इसे अमल में लाने में भूमिका निभाई है। सवाल उठ सकता है कि अगर सुनेत्रा शपथ नहीं लेतीं तो क्या बीजेपी की सियासी सेहत गड़बड़ा सकती थी, क्योंकि राज्य में बीजेपी के 132 और एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना के 57 विधायक हैं। राज्य में बहुमत के लिए महज 145 सीटें चाहिए होती हैं। इस लिहाज से देखें तो बीजेपी की अगुआई वाली सरकार को कोई खतरा नहीं होने जा रहा था। अजित समेत एनसीपी के 41 विधायक पिछले चुनाव में चुने गए हैं। अजित के न रहने पर यह संख्या 40 रह गई है। लेकिन बीजेपी की चिंता दूसरी है। शरद पवार की राजनीतिक स्थिति भले ही ठीक ना हो, लेकिन जैसे ही दोनों एनसीपी का विलय होता, शरद ताकतवर होकर उभरते। महाराष्ट्र का यह चाणक्य एक बार फिर स्थापित होता और बीजेपी के लिए नई सिरदर्दी खड़ी हो जाती। शरद पवार इतने प्रभावी और सियासी रूप से तिकड़मी हैं कि बीजेपी के लिए संकट बनकर उभर जाते। उनकी प्रभावी सक्रियता के चलते शिवसेना के गुटों को भी एक करने की वे कोशिश कर सकते थे। भले ही यह सोच कल्पना लग रही हो, लेकिन एकबारगी स्वीकार कर लें कि ऐसा होता तो महाराष्ट्र की राजनीति कैसी होती। महाराष्ट्र में जिला परिषदों के चुनाव हो रहे हैं। पहले विधानसभा और बाद में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की अगुआई वाली महाविकास अघाड़ी को सफलता नहीं मिली। अजित पवार के न रहने के चलते कांग्रेस को सक्रिय होना चाहिए था। अजित की अगुआई वाले जिला परिषद उम्मीदवार उनके न रहने की वजह से थोड़े आशंकित और निराश भी हैं। इस निराशा को कांग्रेस भुना सकती थी। वह एनसीपी के उम्मीदवारों पर डोरे डाल सकती थी और अपने उम्मीदवारों को नए जोश से भर सकती थी। अजित बेशक सत्ता में थे, लेकिन उन्हें विपक्षी खेमे के लिए अब भी हसरतभरी निगाह से ताकतवर नेता के रूप में देखा जा रहा था। अजित के न रहने के बाद विपक्षी नेतृत्व के लिए आसमान खुल गया है। शरद पवार की उम्र हो गई है। शरद के बाहर जाने के बाद से ही कांग्रेस राज्य में कमजोर हुई है। सुप्रिया सुले का नेतृत्व ऐसा नहीं है कि वह राज्यव्यापी प्रभाव हासिल कर पाए।

यह माहौल कांग्रेस के लिए ज्यादा उपयुक्त हो सकता है। ऐसे माहौल में कांग्रेस को अपने ताकतवर नेतृत्व को स्थानीय स्तर पर आगे लाना चाहिए था। लेकिन वह ऐसा करती नहीं दिख रही। 2014 के बाद से उसने जिस नैरेटिव युद्ध की शैली को अपनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर उसी युद्ध प्रक्रिया को जारी रखे हुए है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के पास फुर्सत नहीं है कि वह महाराष्ट्र या किसी अन्य राज्य की राजनीति के बारे में स्थानीय जरूरतों के लिहाज से सोचे और स्थानीय समुदायों के लिए उन्हीं के बीच से प्रभावी नेतृत्व उभारे। रणनीतिक लिहाज से देखें तो महाराष्ट्र में बीजेपी सभी दलों पर एक बार फिर बीस पड़ती नजर आ रही है। उसने सुनेत्रा को अपने खेमे में लाकर एक तीर से दो निशाने साध लिए हैं। उसने एनसीपी की ओर निश्चिंतता हासिल कर ली है, शरद पवार को एक बार फिर किनारे रखने में सफल हुई है और अपने लिए खतरा बनने की शरद की संभावनाओं को एक तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई देश की आर्थिक राजधानी भी है। इसी वजह से केंद्रीय सत्ता के बाद सबसे ज्यादा प्रभावशाली महाराष्ट्र की सत्ता मानी जाती है। माना जाता है कि कारपोरेट और औद्योगिक जगत पर सबसे ज्यादा पकड़ महाराष्ट्र के सिंहासन की होती है। मौजूदा राजनीति में आर्थिकी सबसे ज्यादा प्रभावी है। महाराष्ट्र की सत्ता पर पकड़ देश की आर्थिक ताकतों की नब्ज पर पकड़ बनाती है। यह बताने की जरूरत नहीं है कि बीजेपी अपनी इस पकड़ को कमजोर होते नहीं देखना चाहती। इसलिए उसने सुनेत्रा को साधने में देर नहीं लगाई।

आखिर घाटे वाले विदेश व्यापार को मुनाफे वाले कारोबार में कब और कैसे बदलेगा भारत ?

कमलेश

भारत की सियासत श्वैचारिक अकालश से पीड़ित है, जिसका असर हमारे घरेलू कारोबार के अलावा विदेश व्यापार पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। सच कहूं तो राष्ट्र की श्आर्थिक स्वायत्तताश ही चीन और आर्थिक विशेषज्ञ यह सवाल दाग रहे हैं कि आखिर घाटे वाले विदेश व्यापार को मुनाफे वाले अंतरराष्ट्रीय कारोबार में कब और कैसे बदलेगा भारत? देखा जाए तो भारत का विदेश व्यापार वर्तमान में भारी घाटे में है, जो दिसंबर 2025 में 25 अरब डॉलर गया, जहां निर्यात 9: गिरा और आयात 10: बढ़ा। आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर 2025 में यह 25.04 अरब डॉलर रहा, जबकि अनुमान 2027 तक –32 अरब डॉलर का है। यानी वर्तमान के साथ साथ निकट भविष्य भी अंधकारमय है। खासकर रूस, चीन और आसियान जैसे साझेदारों के साथ ही घाटा प्रमुख समस्या बनी हुई है। रूस तो भारत का भरोसेमंद मित्र है, हथियार व तकनीकी आपूर्तिकर्ता है। लेकिन चीन के खिलाफ आसियान देश समूह को संतुलित करने/रखने की नीति हम पर अब भारी महसूस हो रही है। लुक ईस्ट की नीति भी सफेद हाथी साबित हुई। हां, लाभ देने वाले पश्चिमी देशों को यदि विकल्प दिखाकर काबू में रखना है तो फिर कुछ नहीं कहना। क्योंकि यूरोपीय संघ से मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) होते ही अमेरिकी अकड़ ढीली पड़ गई और उसके साथ भी एफटीए हो गया। हालांकि भारत की कारोबारी चुनौतियाँ यह हैं कि चीन, रूस और कोरिया के अलावा स्विट्जरलैंड, यूएई, इराक जैसे देशों से आयात अधिक है, जबकि अमेरिकी कूटनीतिक व रणनीतिक टैरिफ ने निर्यात प्रभावित किया, जबकि अब इसका खतरा टल गया है क्योंकि अमेरिका ने टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, एफटीए के बावजूद आसियान निर्यात गिरा, और सोना–तेल आयात घाटा बढ़ा रहा। मसलन, लॉजिस्टिक्स, अनुपालन लागत और वैश्विक टैरिफ हमारे विदेश व्यापार की प्रमुख बाधाएँ हैं। फिर भी भविष्य की संभावनाएँ बरकरार हैं। खासकर घाटा कम करने के लिए निर्यात विविधीकरण, जीवीसी एकीकरण और अवसंरचना सुधार आवश्यक हैं, लेकिन पूर्वानुमान 2027 तक भी घाटा दिखाते हैं।कहना न होगा कि भारत का विदेश व्यापार घाटा मुख्य रूप से चीन, रूस, स्विट्जरलैंड, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ है। दरअसल, यह घाटा ऊर्जा आयात, इलेक्ट्रॉनिक्स और कच्चे माल की उच्च निर्भरता के कारण बढ़ रहा है। इसलिए भारत को नीतिगत दूरदर्शिता दिखाते हुए इन घाटों पर काबू पाना होगा। आंकड़े बताते हैं कि भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से अधिकांश (शीर्ष 10 में 9) के साथ हमारा घाटा वाला कारोबार है। बताया जाता है कि उपर्युक्त देशों से घाटे के कारण रणनीतिक तैयारियों में कमियां और भीतरघात की सियासत व कूटनीति है। इन देशों से व्यापार घाटा का मतलब है कि भारत में इन देशों से आयात ज्यादा है, जबकि इन देशों को भारत से निर्यात कम होने से है, खासकर ऊर्जा (तेल 80: आयातित) और मैन्युफैक्चरिंग इनपुट्स क्षेत्र में।जहां चीन के साथ संकीर्ण निर्यात (कच्चा माल), बाजार बाधाएं, और सस्ते आयात की समस्या है। वहीं, रूसध्यूएई से तेल आयात में वृद्धि, और निर्यात सम्बन्धी बाधाएं हैं। इस तरह से मुक्त व्यापार समझौते वाले देशों के साथ घाटा 59% बढ़ा है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर 2025 में कुल घाटा +25 बिलियन तक पहुंच चुका है। वित्त वर्ष 25 में चीन के साथ यह रिकॉर्ड उच्च स्तर है। जबकि सरकार पीएलआई जैसी आकर्षक योजना से आयात कम करने की कोशिश कर रही है। सवाल है कि मुक्त व्यापार समझौता वाले देश कौन कौन से हैं जिनके साथ भारत का घाटा बढ़ा है, तो जवाब होगा कि भारत के एफटीए देशों के साथ व्यापार घाटा अप्रैल–जून 2025 बढ़कर +26.6 बिलियन हो गया है। कहने का तातपर्य यह कि भारत में आयात 10: बढ़े जबकि निर्यात 9: गिरे, जो हमारी रणनीतिक आर्थिक चौकसी में कमी को दर्शाता है नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, निम्नलिखित देश भारत के विदेश व्यापार घाटे में योगदान दे रहे हैं। इन देशध्समूह से कारोबारी घाटे का कारणध्ट्रेंड निम्नलिखित हैं– इसका कारण आसियान के साथ पुनर्संमझौता में देरी और आयात में इलेक्ट्रॉनिक्स, तेल की वृद्धि हुईय जबकि निर्यात में कमी आई है। वहीं, थ्ज। पुनः समझौता भी लंबित है। शायद इसलिए सरकारी रणनीतियाँ बदली हैं। अब एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन के तहत 25,060 करोड़ रुपये की योजना 2025–31 तक चल रही, जिसमें ब्याज सब्वेंशन, क्रेडिट गारंटी और ई–कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, फॉरेन ट्रेड पॉलिसी 2023 (बिना समाप्ति तिथि) निर्यात प्रक्रियाओं को सरल बनाती है, को मजबूत करती है और जैसे स्कीम्स बहाल किए गए। जबकि चीन से घाटा कम करने हेतु पीएम नरेंद्र मोदी ने द्विपक्षीय बातचीत पर जोर दिया है। वहीं, निर्यात बढ़ाने वाली योजनाएँको लक्षित कर रही हैं, जो लंबी अवधि में अधिशेष की दिशा में ले जा सकती हैं।आपको यह भी जानना चाहिए कि भारत मुख्य रूप से अमेरिका, नीदरलैंड जैसे 151 देशों के साथ व्यापार सरप्लस (मुनाफा) प्राप्त करता है। 2024 के जनवरी–जून के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका से 21 अरब डॉलर और नीदरलैंड से 11.6 अरब डॉलर का सरप्लस रहा। इस प्रकार प्रमुख देश अमेरिका भारत का सबसे बड़ा सरप्लस साझेदार है, जहां होने वाला निर्यात वहां से होने वाले आयात से कहीं अधिक है। इसी प्रकार नीदरलैंड से व्यापार 11.6 अरब डॉलर का सरप्लस है। वहीं अन्य यूरोपीय देशों और विकसित बाजारों के साथ कुल 151 देशों में भारत का व्यापार सरप्लस है। भारत का वैश्विक व्यापार सरप्लस वाले देशों से लाभान्वित होता है।

रूस जैसे देशों के समक्ष गिरवी प्रतीत हो रही है। यह ठीक है कि रूस हमारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मददगार मित्र है, जिसके द्वारा शोषण किया जाना स्वाभाविक है। लेकिन चीन जैसे मजबूत और पड़ोसी शत्रु देश को इतना भारी कारोबारी लाभ देने के बावजूद यदि हम उसे अपना मित्र नहीं बना पाए तो यह बात सिर्फ यही चुगली करती है कि हमारी आंतरिक दलित और पिछड़ी नीतियों की वजह से भारत रणनीतिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पिछड़ता प्रतीत होता हैं। यही वजह है कि तक पहुंच गया। विपरीत स्थिति यानी कारोबारी घाटा चीन, रूस, यूएई और इराक जैसे 75 देशों के साथ है जहां व्यापार घाटा हमेशा बना रहता है, क्योंकि यहां से आयात निर्यात से बहुत ज्यादा होता है। इसलिए हमारा सरकारी प्रयास निर्यात बढ़ाने पर केंद्रित हैं, लेकिन अधिशेष (सर्विस ट्रेड को छोड़कर गुड्स ट्रेड में) प्राप्त करने का कोई निश्चित समयसीमा नहीं है। वर्तमान स्थिति में भारत का व्यापार घाटा एफवाइ 2026 के पहले क्वार्टर में एफटीए देशों के साथ 59: बढ़कर चिंताजनक स्तर पर पहुंच

ममता बनर्जी का आसमान में सुराख करने का इरादा

हरिशंकर

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को एक नया इतिहास रच दिया। ममता बनर्जी बाकायदा वकील के तौर पर सर्वोच्च न्यायालय में उपस्थित हुईं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में हो रही गड़बड़ियों के खिलाफ अपनी दलीलें पेश कीं। देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने वकील की भूमिका भी निभाई है। सबसे खास बात यह कि ममता बनर्जी अपना या अपनी पार्टी का पक्ष रखने शीर्ष अदालत में प्रस्तुत नहीं हुईं बल्कि उन लाखों कमजोर लोगों का पक्ष रखने के लिए सामने आईं, जो एसआईआर से पीड़ित हैं, जिनके मताधिकार पर सरकारी कार्रवाई का चाबुक चला है। संक्षेप में कहें तो ममता बनर्जी लोकतंत्र को बचाने के लिए मुख्यमंत्री होते हुए भी वकील की भूमिका में आईं। अदालत में अपनी दलीलों को पेश करने के बाद आखिरी में माननीय न्यायाधीशों से उन्होंने यही कहा कि लोकतंत्र बचा लीजिए।गौरतलब है कि एसआईआर को लेकर देश भर में गरीब और कमजोर लोग चिंतित हैं कि उनका नाम कहीं मतदाता सूची से कट न जाए। पांच साल में एक दिन उन्हें मिलता है जब उन्हें उसी कतार में खड़े होने का मौका मिलता है, जिस कतार में समाज का धनाढ्य और प्रभावशाली तबका भी लगता है। वोट देने का अधिकार अमीर और गरीब हरेक के पास एक जैसा है। लेकिन एसआईआर के कारण इस अधिकार पर बड़ी चोट पड़ चुकी है। भाजपा और चुनाव आयोग जिसे धार्मिक शब्दावली की तरह मतदाता सूची का शुद्धिकरण कहते हैं, वह असल में अन्याय और असमानता को बढ़ावा देने वाला है। पिछले साल जून में सबसे पहले बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया शुरु हुई थी, जिसका व्यापक और तार्किक विरोध विपक्ष ने किया था। बिहार में इस पर महागठबंधन ने वोटर बचाओ यात्रा भी निकाली थी, जिसे बड़े पैमाने पर समर्थन मिला था। इस मामले में अदालत में याचिकाएं दाखिल हुईं। कायदे से ऐसे में एसआईआर को रोक कर फैसले का इंतजार किया जाना चाहिए था। लेकिन बिहार में यह पूरी भी हुई और करोड़ों नाम वोटर लिस्ट से कटे, उसके बाद चुनाव हुए और नतीजा सबके सामने है। जिन घुसपैठियों के नाम पर एसआईआर को तत्काल कराने की जरूरत बताई गई, उस पर अब सत्ता पक्ष या चुनाव आयोग कुछ नहीं कहता कि कितने विदेशी नागरिक बिहार में वोटर लिस्ट में थे। अब घुसपैठियों का यही लचर तर्क प.बंगाल में दिया जा रहा है। यहां तो अर्मत्य सेन जैसे प्रतिष्ठित नागरिक तक को चुनाव आयोग ने नोटिस भेज दिया, तो आम गरीब आदमी की बिसात ही क्या है। इसलिए ममता बनर्जी को बुधवार को अदालत में कहना पड़ा कि न्याय बंद दरवाजे के पीछे रो रहा है। बता दें कि भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष ममता बनर्जी अपने वकीलों के साथ कोर्ट रूम नंबर एक में मौजूद रहीं। मंगलवार को मुख्यमंत्री बनर्जी के नाम पर एक गेट पास जारी किया गया था। मोस्तारी बानू और टीएमसी सांसदों डेरेक ओ श्ब्रायन और डोला सेन की दायर याचिकाओं पर सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने सुनवाई की। जिनमें ममता बनर्जी ने अपनी दलील पेश की। सुश्री बनर्जी ने अपनी बात रखने की इजाजत मांगी। उन्होंने कहा, श्सर, मुझे सिर्फ 5 मिनट दें।श सीजेआई ने कहा कि 15 मिनट लीजिए। फिर ममता बनर्जी ने भावुक होकर कहा, श्न्याय बंद कमरों के पीछे रो रहा है। हम कहीं से न्याय नहीं पा रहे। मैंने चुनाव आयोग को 6 बार पत्र लिखा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।श ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बंगाल को निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा, श्यह चुनाव आयोग नहीं, व्हाट्सएप कमीशन है। एसआईआर को सिर्फ नाम हटाने का हथियार बनाया जा रहा है, न कि सही जांच का। उन्होंने 24 वर्षों के बाद लागू की गई इस तात्कालिकता पर भी चिंता जताई, जिसे फसल कटाई के मौसम और प्रवासन के चरम समय के दौरान तीन महीनों में जल्दबाजी में पूरा किया गया था, और इसके मानवीय नुकसान को भी दर्ज किया, जिनमें 100 से अधिक मौतें, बीएलओ सदस्यों की मौतें और बड़े पैमाने पर अस्पताल में भर्ती होना शामिल है। ममता ने बताया कि एसआईआर के पहले चरण में ही लगभग 58 लाख नामों को मृत घोषित कर दिया गया।कई महिलाओं के नाम हटाए गए, जिससे यह प्रक्रिया महिला विरोधी लग रही है। उन्होंने कहा कि शादी के बाद महिलाओं का सरनेम बदलने या ससुराल जाने पर इसे मिसमैच बताकर नाम काट दिए जा रहे हैं। काम की तलाश में दूसरे जगह जाने वालों को भी इसी तरह परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के नाम बिना उचित प्रक्रिया के हटाए जा रहे हैं, जिन्हें बाद में श्तार्किक विसंगतिय या श्गलत मानचित्रणय जैसे अस्पष्ट बहाने देकर उचित ठहराया जाता है, जो न्यायालय के निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है।

एक दशक में बनाई पूंजी पीके ने बिहार में गंवा दी

अजीत द्विवेदी

सबसे पहले तो यह समझना होगा कि प्रशांत किशोर ने बिहार में क्या गंवाया है? वे मानें या नहीं मानें लेकिन एक कुशल चुनाव प्रबंधक के रूप में एक दशक में बनाई गई अपनी पूंजी उन्होंने बिहार में गंवा दी है। उनके दो सौ या चार सौ करोड़ रुपए खर्च हुए वह उनका बड़ा नुकसान नहीं है। उनकी पार्टी अपना पहला चुनाव बुरी तरह से हारी यह भी कोई बड़ी बात नहीं है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जब पार्टियां पहले चुनाव में बहुत खराब करने के बाद धीरे धीरे मजबूत होती गईं और बहुत बड़ी बन गईं। बिहार में नीतीश कुमार की बनाई समता पार्टी, जिसे अब जनता दल यू के नाम से जाना जाता है या उत्तर प्रदेश में कांशीराम की बनाई बहुजन समाज पार्टी इसकी मिसाल हैं। दोनों पार्टियों की शुरुआत बहुत खराब हुई थी। लेकिन दोनों के नेताओं को पता था कि उनका आइडिया और आइडियोलॉजी दोनों सही हैं। इसलिए दोनों मैदान में डटे रहे और राजनीतिक व चुनावी दोनों सफलता हासिल की। इसलिए प्रशांत किशोर का पहला चुनाव हार जाना उनके राजनीतिक करियर का पूर्णविराम नहीं है। उनके लिए असली चुनौती यह है कि राजनीतिक प्रबंधक के तौर पर जो पूंजी उन्होंने बिहार में गंवाई है उसे कैसे हासिल करेंगे? अगर वे फिर से अपनी उस पूंजी को, उस साख को वापस हासिल कर लेते हैं और बिहार में डटे रहते हैं तो निश्चित रूप से कामयाब होंगे। इसके लिए वे क्या करेंगे, यह उनको शायद ही कोई समझा सकता है। वे खुद समझदार हैं और राजनीति व चुनाव की बारीकियों को बखूबी जानते हैं। वे देश के राजनीतिक इतिहास से भी परिचित हैं। इसलिए उनको पता है कि बिहार में 1995 के विधानसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद नीतीश कुमार ने कैसी राजनीति की थी। उनको यह भी पता है कि 1984 में बसपा बनाने वाले कांशीराम ने 1989 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद क्या किया था। 1995 में नीतीश कुमार की पार्टी को 324 में से सिर्फ पांच सीटें मिली थीं। इसी तरह 1989 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा को 425 में सिर्फ 13 सीट मिली थी, जो अगले चुनाव यानी 1991 में घट कर 12 हो गई लेकिन उसके दो साल बाद 1993 के मध्यावधि चुनाव में सपा से तालमेल करके बसपा ने 67 सीटें जीतीं और उसी विधानसभा में 1995 में मायावती पहली बार 137 दिन के लिए मुख्यमंत्री बनीं। सो, प्रशांत किशोर के लिए राजनीति का रास्ता साफ है। उनके सामने नीतीश कुमार और कांशीराम दोनों का मॉडल है। नीतीश कुमार की समता पार्टी ने 1995 की हार के बाद भाजपा के साथ तालमेल किया और लालू प्रसाद को सत्ता से हटाने के लिए राजनीति की, जिसमें निर्णायक कामयाबी 2005 के अक्टूबर में मिली। यानी पार्टी बनाने के 10 साल बाद। इसी तरह कांशीराम ने बहुजन की सत्ता स्थापित करने के लिए 1984 में बसपा बना कर राजनीति शुरू की तो 11 साल बाद 1995 के जून में मायावती को मुख्यमंत्री बनाने में कामयाब हुए। इसके लिए उनको समाजवादी पार्टी से तालमेल करना पड़ा। उनका सूत्र वाक्य था पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा चुनाव हराने के लिए और तीसरा जीतने के लिए। तीसरे चुनाव में उनको जीत मिली थी हालांकि वह निर्णायक नहीं थी। निर्णायक जीत मिली 2007 में जब बसपा ने अकेले दम पर उत्तर प्रदेश विधानसभा में बहुमत हासिल किया। सो, जाहिर है कि राजनीति में निरंतरता और समान या असमान विचार वाले दलों के साथ गठबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। तभी प्रशांत किशोर के कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलने की खबर को उनकी राजनीति के अगले कदम के तौर पर देखा जा सकता है। ध्यान रहे प्रशांत किशोर ने एक समय कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर देश की सबसे पुरानी पार्टी को उसका गौरव लौटाने की योजना पर काम करना चाहा था। उन्होंने लंबा चौड़ा प्रजेंटेशन कांग्रेस नेतृत्व के सामने रखा था। आधे अधूरे तरीके से कुछ प्रस्तावों को कांग्रेस ने आजमाया भी। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के असुरक्षा भाव और प्रशांत किशोर की अति महत्वाकांक्षा के कारण दोनों की बात नहीं बनी। अब फिर दोनों नजदीक आ रहे हैं तो नए किस्म के गठबंधन की आहट सुनाई दे रही है। ध्यान रहे बिहार में हमेशा एक तीसरी ताकत की गुंजाइश है। नीतीश कुमार के उदय से पहले बिहार में कांग्रेस के मुकाबले समाजवादी पार्टियों के साथ साथ भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियां मजबूती से चुनाव लड़ती थीं। धीरे धीरे बिहार की राजनीति दो ध्रुवीय हो गई। प्रशांत किशोर और कांग्रेस अगर तीसरी ताकत बनने की राजनीति करते हैं तो बिहार का राजनीतिक परिदृश्य दिलचस्प होगा। ध्यान रहे अगले कुछ महीनों या बरसों में बिहार की राजनीति में गुणात्मक परिवर्तन होगा। नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के राजनीतिक परिदृश्य से विदा होने के बाद बिहार की राजनीति वैसी ही नहीं रह जाएगी, जैसी पिछले 35 साल से है। उस समय कांग्रेस और प्रशांत किशोर दोनों के लिए बड़ा अवसर बनेगा। लेकिन उससे पहले प्रशांत किशोर को चुनाव प्रबंधक और राजनीतिक गुरू के तौर पर अपनी खोई हुई साख को वापस हासिल करना होगा। इस साल होने वाला पांच राज्यों का चुनाव उनके लिए परफेक्ट मौका है। उनकी पुरानी कंपनी आईपैक का करार अब भी ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ है। हालांकि आईपैक के साथ अब उनका जुड़ाव नहीं है। लेकिन उन्होंने तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय की पार्टी टीवीके से करार किया है और उनको चुनाव लड़वा रहे हैं। गौरतलब है कि 2021 में ममता बनर्जी की जीत ने प्रशांत किशोर को सबसे बड़ा सुपरस्टार बनाया था। उन्होंने दावा किया था कि भाजपा एक सौ सीट तक नहीं पहुंचेगी और भाजपा सचमुच 77 सीट पर रह गई। अब उनके लिए यह मौका तमिलनाडु में बन सकता है। अगर तमिलनाडु में त्रिशंकु विधानसभा बनती है और विजय की ऐसी हैसियत होती है कि उनके बगैर सरकार न बने तो वह भी पीके के लिए बूस्टर डोज साबित हो सकता है। टीवीके और कांग्रेस के बीच गठबंधन की चर्चा होना भी प्रशांत किशोर की राजनीति का असर हो सकता है। तमिलनाडु में प्रशांत किशोर अपने को किस तरह से लगाते हैं, क्या मैसेज बनवाते हैं और चुनाव के बाद किस हैसियत में उभरते हैं इससे बिहार की राजनीति में उनकी और उनकी पार्टी की किस्मत बहुत कुछ निर्भर करेगी। कांग्रेस भी अगर उनको आगे मौका देती है तो उसका भी फैसला तमिलनाडु के चुनाव नतीजों से होगा। जो हो उनके लिए अभी रास्ते बंद नहीं हुए हैं। इस बीच वे और उनका संगठन फिर से बिहार में सक्रिय हो गए हैं। सोशल मीडिया में पिछले दो महीने में उनकी उपस्थिति बहुत कम हो गई थी लेकिन एक बार फिर उनकी सोशल मीडिया टीम सक्रिय हो गई है।

लखनऊ में पहली बार होगी राष्ट्रीय महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्व विश्व चौंपियन और चार ओलंपिक खेलने वाली एकमात्र भारतीय दीपिका कुमारी, पेरिस पैरालंपिक गेम्स की कांस्य पदक विजेता शीतल देवी, ओलंपियन भजन कौर और अंकिता भगत। विश्वस्तर पर भारत का परचम लहराने वाली ये सभी तीरंदाज लखनऊ में पदक पर निशाना लगाने उतरेंगी। बात हो रही है शहर में पहली बार होने वाली राष्ट्रीय महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता की, जहां देशभर से तकरीबन 350 खिलाड़ी भाग लेंगी। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 28 फरवरी और एक मार्च को होने वाली प्रतियोगिता सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में खेली जाएगी। इसमें भाग लेने वाले यूपी टीम का चयन जल्द होगा। एसोसिएशन से मिली जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में गाजियाबाद की साक्षी चौधरी, मथुरा की वरन्या राणा, बिजनौर की निष्ठा गुप्ता और बागपत की मधु वेदवाल का यूपी टीम में चयन होना तय है। यूपी आर्चरी एसोसिएशन के संयुक्त सचिव योगेंद्र सिंह राणा ने बताया कि यूपी में पहले भी तीरंदाजी की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं हो चुकी हैं, लेकिन लखनऊ पहली बार तीरंदाजी में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी कर रहा है। दीपिका, शीतल देवी और भजन कौर जैसी दिग्गज खिलाड़ियों के भाग लेने से स्तर और भी बढ़ गया है। दो दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान रिकर्व और कंपाउंड वर्ग में मुकाबले होंगे। एक ओर जहां रिकर्व स्पर्धा (दूरी 70 मीटर) ओलंपिक में शामिल है, वहीं दूसरी ओर कंपाउंड इवेंट (दूरी 50 मीटर) को पहली बार लॉस एंजिल्स में वर्ष 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया है। ऐसे में लखनऊ में होने वाली राष्ट्रीय महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता कई मायनों में अहम हो जाएगी। बाबू स्टेडियम के पूरे मैदान को इस प्रतियोगिता के लिए उपयोग में लाया जाएगा। स्टेडियम में बनी क्रिकेट पिच के एक तरफ रिकर्व और दूसरी तरफ कंपाउंड के मुकाबले होंगे। दोनों ही स्थानों पर 15 से 20 टारगेट लगाए जाएंगे। एक वर्ष पहले शहर में तीरंदाजी के प्रोत्साहन के लिए 1090 चौराहे पर एलडीए आर्चरी अकादमी शुरू हुई। कुछ ही समय के बाद रेंज में खेल विभाग की ओर से अक्तूबर माह से सहायक प्रशिक्षक विकास पांडेय को तैनात किया गया।

देव स्थलों को निशाना बना रहे चोर...श्रद्धालुओं में आक्रोश, मंदिरों में चोरियां करने वाले पुलिस से दूर

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। देव स्थलों को भी चोर निशाना बना रहे हैं। अलग–अलग क्षेत्रों में मंदिरों में चोरी की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन वारदातों से श्रद्धालुओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जामों के बाबूपुर स्थित पूरे साधो दीवान गांव में मां सिद्ध धात्री मंदिर में 27 जनवरी की रात चोरी की घटना अभी भी पहेली बनी हुई है। चोर मंदिर का ताला तोड़कर भीतर घुसे और आभूषण व दान पात्र उठा ले गए। सुबह पुजारी अमित कुमार श्रीवास्तव के पहुंचने पर घटना सामने आई। उन्होंने बताया कि आधा किलो चांदी का छत्र, सोने की नथुनी, पांच चांदी के सिक्के और दान पात्र गायब मिले। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई खुलासा नहीं हो सका है। वहीं, मोहनगंज के पूरे मुकुंद मजरे रमई गांव स्थित देवी मंदिर से 18 जनवरी को लाखों रुपये के सोने–चांदी के जेवर चोरी होने की घटना भी अब तक अनसुलझी है। ये वो प्रकरण हैं, जिनमें धार्मिक आस्था रखने वाले न्याय की उम्मीद से थाने तक पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज की गई। संग्रामपुर के महसो गांव में बीते 27 दिसंबर की रात चोरों ने सेवानिवृत्त लेखपाल शंभू शुक्ला के घर को निशाना बनाया। चोर करीब डेढ़ लाख रुपये और 10 लाख के आभूषण उठा ले गए। काफी प्रयासों के बाद तो पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। इस बड़ी चोरी का भी अब तक खुलासा नहीं किया जा सका है। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक को हटाकर संजय सिंह को जिम्मेदारी सौंपने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि सभी घटनाओं की जांच की जा रही है। जल्द ही मामलों का अनावरण किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वांचल के आठ जिलों के लिए रवाना हो रही गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में पूर्वांचल के आठ जिलों के लिए आज से गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। इसे उप मुख्यमंत्री रवाना करेंगे। इस मौके पर संघ के अखिल भारतीय प्रचारक सुशांत रंजन ने कहा कि यह एक अनुभव यात्रा है। दुर्गम क्षेत्र में डॉक्टर के रूप में पहली बार अनुभव लेंगे। सेवा का अवसर मिला है। आप चाहें तो अपना जीवन धन्य कर सकते हैं। थारू जनजाति ध ार्मिक भाव की जनजाति है। उन्हें मतांतरण का प्रयास होता है लेकिन अडिग हैं। ऐसे में हमारी यात्रा उनकी सेवा के लिए ही है। अभी भी एक गांव था जहां सड़क नहीं थी लेकिन पिछले साल यात्रा पहुंची तो पीपे का पुल बनाकर गांव को जोड़ा गया। शहरी जीवन में तैयार होने वाले डॉक्टर गांव में जाकर यह आभास कर सकते हैं कि सीमा पर रहना कितना कठिन है।

पंडित बिरजू महाराज ने नाट्यशास्त्र की अवध ारणाओं को दिया प्रयोगात्मक रूप

लखनऊ, (संवाददाता)। कथक गुरु पद्म विभूषण पंडित बिरजू महाराज की जयंती पर दो दिवसीय समारोह के पहले दिन बुधवार को 'नाट्यशास्त्र और समकालीन शास्त्रीय नृत्य विधाएं' विषय पर व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। भातखंडे संस्कृति विवि के जयशंकर सभागार में हुए कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वाराणसी के रंगकर्मी, कवि, लेखक और फिल्मकार गौतम चटर्जी ने नाट्यशास्त्र की शास्त्रीय अवध ारणाओं और उनकी आधुनिक शास्त्रीय नृत्य विधाओं में प्रासंगिकता के

बारे में बताया। पं. बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से आयोजित जयंती समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि भातखंडे संस्कृति विवि की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह की मौजूदगी में हुआ। अवसर पर पं. बिरजू महाराज के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री कथक संस्थान और भातखंडे के विद्यार्थियों, शोधार्थियों को दिखाई गई। गौतम चटर्जी ने कहा कि पंडित बिरजू महाराज ने नाट्यशास्त्र की अवधारणाओं को प्रयोगात्मक रूप में बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत किया। नाट्यशास्त्र में दो तरह की भाषाओं का प्रयोग हुआ, जिसमें से एक वैदिक तो दूसरी लौकिक है। कथक संस्थान की अध्यक्ष कुमकुम धर ने कहा कि पं. बिरजू महाराज ने नृत्य को केवल तकनीक तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे भाव, रस और अभिव्यक्ति की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। अवसर पर कथक संस्थान की उपाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश तिवारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

कॉलेज जाने वाली लड़कियों को मिलनी थी स्कूटी, घोषणा के साल भर बाद में भी नहीं शुरू हुआ काम

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रति छात्राओं को आकर्षित करने, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025–26 के बजट में बेटियों को स्कूटी देने की घोषणा की थी। इसके लिए रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना की घोषणा की गई थी। किंतु एक साल में यह योजना रफ्तार नहीं पकड़ सकी है। यह स्थिति तब है, जब सरकार 11 फरवरी को अगले वित्तीय वर्ष का बजट प्रस्तुत करने का जा रही है। पिछले साल 20 फरवरी को प्रस्तुत बजट में सरकार ने घोषणा की थी लडकियों को उच्च शिक्षा की पढ़ाई के प्रति प्रेरित व आकर्षित करने के लिए स्कूटी दी जाएगी। यह स्कूटी छात्राओं को उनकी पहले साल में प्राप्त नंबर की मेरिट के आधार पर एक वित्तीय वर्ष में लगभग 50 हजार छात्राओं दी जानी थी। ताकि छात्राएं आसानी से बिना किसी दिक्कत के अपने विश्वविद्यालय या कॉलेज पहुंच सकें। उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए एक वित्तीय वर्ष में 400 करोड़ बजट खर्च करने की बात कही थी। इस घोषणा के बाद से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही छात्राएं काफी उत्साहित थीं। एक तरफ प्रदेश सरकार नए वित्तीय वर्ष 2026–27 का बजट 11 फरवरी को प्रस्तुत करने जा रही है और दूसरी तरफ उच्च शिक्षा विभाग अभी तक इस योजना पर कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं कर सका है। विभाग की तरफ से अभी तक योजना की नियमावली भी एप्रूव नहीं कराई जा सकी है, न ही इसके लिए कोई आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। इससे इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ लगभग एक साल बाद भी किसी छात्रा को नहीं मिल सका है। खास यह कि इस योजना को लेकर अभी विभागीय अधिकारी खुद भी बहुत स्पष्ट नहीं हैं कि उन्हें आगे इस मामले में क्या करना है। प्रदेश सरकार की यह कवायद विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं के लिए उपयोगी थी। क्योंकि उन्हें अपने घर से विश्वविद्यालय या कॉलेज तक जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन या साइकल का प्रयोग करना होता है। ऐसे में उन्हें उम्मीद थी कि सरकार द्वारा की गई ।

अब फार्मेसी, बायोटेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग में पीएचडी का मौका

लखनऊ, (संवाददाता)। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अब फार्मेसी, बायोटेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग में पीएचडी करने का अवसर मिलेगा। ललित कला संकाय के तहत बीए संगीत (वोकल) पाठ्यक्रम भी शुरू होगा। विवि में बुधवार को कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में 25वीं अकादमिक परिषद की बैठक में ऐसे कई अहम फैसलों को मंजूरी दी गई। सभी विभागों के लिए 30 घंटे का एआई फॉर एवरीवन प्रमाणपत्र कोर्स शुरू होगा। स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी विद्यार्थियों के लिए यह पाठ्यक्रम वैल्यू एडेड कोर्स के रूप में होगा। फार्मेसी संकाय के बीफार्मा चौथे वर्ष के पाठ्यक्रम को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के मानकों के अनुरूप अनुमोदित किया गया। बीपीईएस (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन व स्पोर्ट्स) पाठ्यक्रमों के लिए पोर्टल खुलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। शोध को प्रोत्साहित करने और सुदृढ़ शोध इकोसिस्टम विकसित करने के लिए सेमिनार नीति को भी अनुमोदन मिला है। इसके तहत विश्वविद्यालय स्तर पर सेमिनार के लिए 20 हजार रुपये, राष्ट्रीय सेमिनार के लिए एक लाख रुपये और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के लिए दो लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। साथ ही यात्रा भत्ता, प्री–कॉन्फ्रेंस प्रकाशन शुल्क और स्थानीय आतिथ्य (बोर्डिंग एवं लॉजिंग) की सुविधा दी जाएगी। राष्ट्रीय सम्मेलनों के लिए हर छह माह और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के लिए तीन वर्ष में एक बार ग्रांट दी जाएगी। बैठक में एमएससी जूलॉजी, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमए समाजशास्त्र, एमए संस्कृत, बीए मनोविज्ञान तथा एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग (एआईसीटीई मानकों के अनुरूप) को भी मंजूरी दी गई। साथ ही बीटेक साइबर सिक्योरिटी कोर्स स्वीकृत किया गया। एमटेक बायोटेक्नोलॉजी को एआई इंटीग्रेटेड डिग्री के रूप में चलाने का भी निर्णय लिया गया। अवधी शोध पीठ के तहत बीए इन अवधी कार्यक्रम और अवधी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू होगा। बीएससी व एमएससी होम साइंस पाठ्यक्रमों को शुरू करने की भी स्वीकृति दी गई।

संक्षिप्त खबरें

80 वरिष्ठ अधिवक्ता सम्मानित

लखनऊ, (संवाददाता)।अधिवक्ता न हों तो पीड़ितों, गरीबों को न्यान न मिल सके। कानून का राज कायम है तो इसमें अधिवक्ता समाज का अहम योगदान है। वस्तु एवं सेवाकर अपीलीय अधिकरण के न्यायिक सदस्य संतोष कुमार श्रीवास्तव ने सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के अधिवक्ता सम्मान समारोह व तहरी भोज में ये बातें कहीं। गोमतीनगर स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान में हुए कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वस्तु एवं सेवाकर अपीलीय अधिकरण के न्यायिक सदस्य नरेंद्र कुमार और अध्यक्ष राज्य कर अधिकरण लखनऊ रमेश चंद्र मौजूद रहे। सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्र ने बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल नारायण मल्होत्रा, जगदीश कुमार, अशोक श्रीवास्तव, अशोक कुमार सिंह सहित वकालत में 25 से 50 वर्ष तक गुजारने वाले 80 अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया। महामंत्री शिवकुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष अवध ेश कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

साइकिल रैली निकालकर कैंसर से बचाव का दिया संदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। इटौंजा के कमला कुटीर स्थित डिजीस्वास्थ्य टेलीमेडिसिन केंद्र की ओर से बुधवार को विश्व कैंसर दिवस पर साइकिल रैली के माध्यम से जागरुकता संदेश दिया गया। इसके बाद करुआ पंचायत भवन में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर रामा कॉलेज के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक और बच्चों ने लघु नृत्य के माध्यम से कैंसर से बचाव और समय पर उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। कैंसर से उबर चुके बच्चों ने अपनी प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं, जिन्होंने आशा और साहस का संदेश दिया। कार्यक्रम में डिजीस्वास्थ्य की टीम के संरक्षक डॉ. एपी माहेश्वरी और रामा कॉलेज के प्रबंधक शिव चौहान के साथ ही रामा कॉलेज के विद्यार्थी मौजूद रहे।

श्री श्याम निशानोत्सव में तीन दिन बहेगी भक्ति रस की अविरल धारा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में श्री श्याम निशानोत्सव के दौरान तीन दिन भक्ति रस की अविरल धारा बहेगी। श्री श्याम ज्योत मंडल की ओर से 20, 21 और 22 फरवरी को आयोजन किया जाएगा। ऐशबाग स्थित तिलकनगर के महाराजा अग्रसेन पार्क में होने वाले 44वें उत्सव के शुरुआती दो दिन नामी भजन गायक प्रस्तुतियां देंगे। तीसरे दिन श्याम सतरंगी ध्वजा यात्रा निकाली जाएगी। इस बार की थीम श्श्जमघट म्हारो श्याम काश्श है। कार्यक्रम में लखनऊ और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में भक्तों के जुटने की उम्मीद है। आयोजक मंडल के अनुपम मित्तल ने बताया कि 20 व 21 फरवरी को शाम पांच बजे से जयपुर के कुमार नरेंद्र, संजय पारीक, नवीन शर्मा और रोहित शर्मा, रांची की पूजा पारीक, कोलकाता के लव अग्रवाल, संजय शर्मा और अरविंद सहल, कानपुर के कुमार मुकेश भजनों से श्याम प्रभु की महिमा का गुणगान करेंगे। 22 की सुबह 11 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह तिलकनगर से शुरू होकर रामनगर, शास्त्री नगर, रकाबगंज, पांडेगंज, रानीगंज, सराय फाटक, फतेहगंज, श्रीराम रोड, कैसरबाग, परिवर्तन चौक होते हुए

गोंडा, आगरा सहित 18 जिलों के अतिसंवेदनशील केंद्रों पर दो बार निरीक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी बोर्ड की परीक्षाओं को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के 20 परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाने का प्रस्ताव किया गया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने पूर्व की घटनाओं को देखते हुए गोंडा आगरा समेत 18 अतिसंवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। इन जिलों में परीक्षा केंद्रों का प्रतिदिन दो बार निरीक्षण कराया जाएगा। लापरवाही पर कार्रवाई होगी। मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में निर्देश दिए कि परीक्षा से पहले सभी केंद्रों पर सीसीटीवी युक्त वॉयस रिकॉर्डर पूरी तरह क्रियाशील हों। राज्य और जिला स्तर पर कंट्रोल व मॉनीटरिंग सेंटर स्थापित कर जिम्मेदार अधिकारियों की तैनाती की जाए। संवेदनशील केंद्रों की निगरानी एसटीएफ और एलआईयू द्वारा की जाएगी। नकल रोकने के लिए क्षेत्राधिकारी और थानाध्यक्ष नियमित पेट्रोलिंग करेंगे। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने या परीक्षा में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सभी जिलों में मुख्य विषयों के प्रश्नपत्रों के रिजर्व सेट्स की व्यवस्था की गई है। साथ ही अधिकारियों को जनसुनवाई के लिए समय से कार्यालय में उपस्थित रहने और लंबित राजस्व मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने ओवरलोडिंग एवं अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए 1 फरवरी से 15 फरवरी तक सभी जिलों में चल रहे विशेष अभियान के तहत लंबित चालान वाले वाहनों, ओवरलोड वाहनों तथा फर्जी, धुंधली अथवा गलत नंबर प्लेट लगाकर खनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही उपखनिजों का परिवहन करने वाले सभी वाहनों पर जीपीएस डिवाइस अनिवार्य रूप से लगवाने को कहा।

कथक से पंडित बिरजू महाराज को किया नमन

लखनऊ, (संवाददाता)। कथक गुरु पंडित बिरजू महाराज की जयंती पर उनके योगदान को नमन करते हुए कालका बिंदादीन ड्योढ़ी पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गणेश वंदना के बाद एकल और समूह नृत्य ने मौजूद लोगों का मन मोह लिया। कथक संग्रहालय, नंदश्री संगीत संस्थान और सार्थक संगीत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित राम मोहन महाराज ने पंडित बिरजू महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से किया। इसके बाद विद्यार्थियों को बिरजू महाराज के जीवन, व्यक्तित्व और कथक के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के बारे में बताया। संग्रहालय प्रभारी धनंजय राय और यासमीन फातिमा ने भी बिरजू महाराज की कलात्मक विरासत और कालका बिंदादीन ड्योढ़ी के महत्व पर प्रकाश डाला। फिर नंदश्री और सार्थक संगीत संस्थान की छात्राओं राशि सिंह, पल्लवी और कश्मीरा ने भुवन भक्त से कोई शरणागति आवे... गीत पर प्रस्तुति से भगवान गणेश का स्मरण किया। शुभांगी दुबे ने ओ कान्हा, अब तो बजा दे मुरली की धुन... गीत की प्रस्तुति देकर तालियां बटोरीं। यास्मीन कौर ने जाने दे, जाने दे, मुझे छेड़ो न श्याम... पर एकल नृत्य प्रस्तुति दी। नंदश्री संगीत संस्थान के नन्हे कलाकारों अंशिका, एंजल और सागरिका ने बजे रे बजे पायलिया बजे... पर सामूहिक प्रस्तुति दी। अंशिका पाठक ने तराना और शैलेंद्र सिंह ने पंडित बिरजू महाराज की रचना कृष्ण स्तुति पर भावपूर्ण नृत्य किया। कृतिका कलांगन की छात्राओं योग्या, शांभवी, श्रेया और प्रिशा ने लपक झपक मत रोको न श्याम... पर समूह नृत्य पेश किया।

बाइक से साइकिल टकराने के विवाद में हुई थी हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। बाइक व साइकिल की मामूली टक्कर पर हुए विवाद में श्रमिक संतराम की ईंट से सिर कूचकर हत्या की गई थी। 24 घंटे में पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुए दो आरोपियों कटरा बक्कास निवासी सुशील और बुद्धूखेड़ा गांव निवासी दीपक कुमार को गिरफ्तार किया है। सुशील और दीपक रिश्तेदार हैं। एडीसीपी रल्लापल्ली वसंथ कुमार ने बताया कि करीब 30 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर घटना के वक्त एक बाइक पर सवार दो संदिग्ध दिखे थे। बाइक के नंबर को ट्रेस किया गया तो बाइक दीपक की निकली। जांच में पता चला कि दीपक के साथ उसका रिश्तेदार सुशील भी था। बाइक सवार संदिग्धों की पहचान होने के बाद सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने दीपक व सुशील को बुद्धूखेड़ा से गिरफ्तार किया। पहले दोनों ने गुमराह करने का प्रयास किया, पर बाद में आरोपी पुलिस के सवालों के आगे टूट गए। दोनों ने संतराम की हत्या करने की बात कबूली। घटना में इस्तेमाल की गई दीपक की बाइक भी बरामद की गई है। एडीसीपी ने बताया कि दोनों आरोपी पेशे से मजदूर हैं। उन्होंने 24 घंटे के अंदर हत्या का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को 15 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। एडीसीपी ने बताया कि छानबीन के दौरान पता चला है कि आरोपी सुशील व संतराम एक दूसरे के पहले से परिचित थे। करीब ढाई साल पहले संतराम ने सुशील से 70 हजार रुपये उधार लिए थे। दोनों के बीच रुपये का विवाद चल रहा था। दो फरवरी की रात सुशील व दीपक की बाइक साइकिल सवार संतराम से टकरा गई थी।

जागरूकता कैंसर के खिलाफ सबसे बड़ा सुरक्षा कवच

लखनऊ, (संवाददाता)। जागरूकता कैंसर के खिलाफ सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। सही समय पर सही जानकारी और टीकाकरण से इस बीमारी से बचा जा सकता है। हर मां को अपनी बेटी को नौ से 14 वर्ष की आयु में ही एचपीवी का टीका लगवाना चाहिए। इससे वह उसे पूरी जिंदगी सुरक्षित रख सकती है। सर्वाइकल ऐसा कैंसर है, जिसे टीके से रोका जा सकता है। केजीएमयू के स्त्री कैंसर रोग विभाग की अध्यक्ष प्रो. डॉ. निशा सिंह ने बुधवार को ये बातें कहीं। वह अमर उजाला अपराजिता के तहत विश्व कैंसर दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थीं। केजीएमयू के स्त्री कैंसर रोग विभाग और आयोजन किया गया था। मनकामेश्वर वार्ड स्थित लंबेश्वर पार्क सामुदायिक केंद्र में हुए कार्यक्रम में डॉ. निशा सिंह ने महिलाओं से जुड़े कैंसर के लक्षण, बचाव व इलाज की जानकारी दी। उन्होंने विभाग की विशेष सुविधाओं जैसे टीकाकरण से लेकर जांच आदि के बारे में भी बताया। प्रोजेक्ट के तहत कम कीमत व मुफ्त में जांच और टीकारण की जानकारी भी साझा की। विभाग की डॉ. स्नेहा सिंह, जन आरोग्य मंदिर एवं वेलनेस सेंटर की डॉ. नेहा प्रताप ने कैंसर से जुड़ीं जानकारियां दीं। आयोजन में पार्षद रणजीत यादव का विशेष योगदान रहा। महंत देव्यागिरि व 70 से अधिक महिलाएं मौजूद रहीं। डॉ. निशा ने खुद कैंसर की जांच करने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने स्तनों के आकार, रंग की जांच करना सिखाया। साथ ही निप्पल से किसी भी तरह के असामान्य डिस्चार्ज (पानी जैसा, दूधिया या खून) की जांच करना सिखाया।

60 फीट ऊंचाई पर पेड़ से लटका मिला युवक का शव, पांच घंटे लगे उतारने में

लखनऊ, (संवाददाता)। चारबाग की सेकंड एंट्री के पास बुधवार दोपहर एक युवक का शव बरगद के पेड़ से मफलर के सहारे 60 फीट ऊंचाई पर लटका मिला। पांच घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने हाइड्रोलिक मशीन की मदद से युवक के शव को नीचे उतारा। फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो सकी है। एसपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि करीब 12 बजे नाका पुलिस को स्टेशन के पीछे पेड़ से युवक के लटके होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने शव उतारने का प्रयास किया, लेकिन ऊंचाई अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ को बुलाया गया। सामान्य सीढ़ी से ऊंचाई तक न पहुंच पाने के कारण हाइड्रोलिक मशीन मंगवाई गई। घंटों की जद्दोजहद के बाद शव को पेड़ से नीचे उतारा जा सका। पुलिस ने आसपास के लोगों से शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। एसीपी का कहना है कि युवक पेड़ के ऊपर कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की

फुटेज खंगाली जा रही है। युवक की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। उसने काले रंग की पैंट और जैकेट पहनी हुई थी। हाइड्रोलिक मशीन के संचालक ओंकारनाथ राव ने बताया कि दोपहर करीब दो बजे उन्हें सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर गाड़ी लगाने में भी काफी दिक्कतें आईं। पेड़ की कुछ डालियों को काटना पड़ा, जिसके बाद पांच लोगों की टीम विजय पाल सिंह, राजीव कुमार यादव, मनोज कुमार पांडे और ललित कुमार पांडेय ने मिलकर हाइड्रोलिक मशीन की सहायता से शव को नीचे उतारा।

वाहन स्वामी तुरंत हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट - ऋतु सिंह

(राजन तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के समस्त अधिकारियों को प्रदेश में नेशनल कैपिटल रीजन एवं अन्य क्षेत्रों में पंजीकृत समस्त वाहनों में थर्ड रजिस्ट्रेशन मार्कस सहित हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगावाये जाने के दिये गये निर्देशों के क्रम में आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह ने मण्डल के सभी एआरटीओ प्रशासनध् प्रवर्तन, पीटीओ, मोटरयान निरीक्षक को उक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करते हुए अपने जनपदों में पंजीकृत समस्त वाहनों में हाई सिक्योरिटी प्लेट शत–प्रतिशत सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किये हैं। कहा कि वाहनों में थर्ड रजिस्ट्रेशन मक्सिहित हाई सिक्योरिटी प्लेट को लगाये जाने हेतु प्रिन्ट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा क्षेत्र में व्यापक प्रचार–प्रसार कराना सुनिश्चित करें।समस्त सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) यह सुनिश्चित करें कि दिनांक 01.04.2019 से पूर्व पंजीकृत एवं संचालित 7500 कि० ग्रा० एवं उससे अधिक सकल यान भार क्षमता वाले समस्त माल वाहनों के स्वामियों द्वारा अपनी वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अवश्य प्रतिस्थापित करा ली जाय।14 फरवरी से क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में विभिन्न कार्य हेतु प्राप्त होने वाले आवेदनों यथा स्वस्थता प्रमाण पत्र, पंजीयन प्रमाण पत्र की द्वितीय प्रति, स्वामित्व अंतरण, पता परिवर्तन, पंजीयन का नवीनीकरण, अनापत्ति प्रमाण पत्र, हाइपोथिकेशन पृष्ठांकन धनिरस्तीरण, नया परमिट, परमिट की द्वितीय प्रति, परमिट नवीनीकरण, अस्थायी परमिट, विशेष परमिट, नेशनल परमिट व बीमा तथा प्रदूषण प्रमाण पत्र अद्यतन आदि से सम्बन्धित कार्यवाही करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उस मोटरयान पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अवश्य लगी हो।जिन वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट न लगी पायी जाय, उनके विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही नियमानुसार अभियानात्मक रूप से निरन्तर (अहर्निश) करते हुए उनका पर्यवेक्षण संभागीय स्तर से संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) के द्वारा किया जाय।संभागीय परिवहन अधिकारी ने कहा कि सभी वाहन स्वामियों, डीलर्स आदि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए तत्काल अपने वाहनों में मानक अनुसार हाई सिक्योरिटी प्लेट अवश्य लगवा लें।अन्यथा सड़क पर बिना हाई सिक्योरिटो प्लेट लगी वाहन संचालित पाये जाने पर प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा चालान की कार्यवाही की जाएगी एवं कार्यालय में भी बिना हाई सिक्योरिटी प्लेट का 14 फरवरी के पश्चात उनके वाहन का कोई कार्य नही हो पाएगा।

‘लाइन लीकेज, मरम्मत एवं नये कनेक्शन पर विशेष ध्यान दें– जिलाधिकारी’

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘हरदोई’ शुक्रवार को जनपद में जल जीवन मिशन के तहत हुये कार्यो की समीक्षा बैठक अध्यक्ष जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशनधजिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्ट्रेट में आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के पदाधिकारियों को निर्देश दिये कि निर्माणाधीन टंकियों का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कराने पर कार्य का भुगतान किया जायेगा इसलिए सभी टंकियों का निर्माण शीघ्रता से पूरा कराएं। उन्होंने उपस्थित जल निगम विभाग के जेई को निर्देश दिये कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में डाली गयी पाइप लाइन की लीकेज एवं मरम्मत कार्य प्राथमिकता पर करायें और ग्राम प्रधानों से समन्वय बनाकर गांवों में अधिक से अधिक नये कनेक्शन करायें और जिन सड़कों व गलियों में पाइप लाइन डाली जाये उसकी मरम्मत भी कराते जाये। बैठक में पीडी ए0के0 मौर्या, प्रभारी अधिशासी अभियंता जल निगम नवीन कुमार, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी एवं जेई आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

एसटीएफ व एल आई यू की पैनी नजर में 115 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न होगी हाई स्कूल व इंटर की बोर्ड परीक्षा

अयोध्या।इस बार हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 115 परीक्षा केदो पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 18 फरवरी से प्रारंभ होकर 12 मार्च तक होगी।इस बार परीक्षा को पारदर्शी व नकल विहीन संपन्न कराने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस कर्मियों के अलावा एसटीएफ व एल आई यू के कर्मी भी तैनात रहेंगे।परीक्षा को प्रभावित करने वाले नकल माफियाओं व अराजक तत्वों से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में सभी परीक्षा केदो पर सशस्त्र सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे।इस बात की जानकारी देते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी ने बताया कि इस बार हाई स्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा मे कुल 115 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।बताया कि बोर्ड परीक्षा केदो पर नियंत्रण रखने के लिए जीआईसी में नियंत्रित कक्ष बनाया गया है।जहां पर 15 कंप्यूटर के माध्यम से वहां पर तैनात कर्मी सभी बोर्ड परीक्षाओं केंद्रों की गतिविधियों को देखेंगे।बताया कि जिसकी मॉनिटरिंग वे स्वयं तथा उनके अलावा

सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे के साथ–साथ राजकीय हाई स्कूल के प्रधानाचार्य चंद्रशेखर पटेल के अलावा अन्य कर्मी मौजूद रहेंगे।बताया कि परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए छः सचल दलों का गठन किया गया है।प्रत्येक सचल दल मे पांच पांच कर्मी शामिल रहेंगे।वही तहसील स्तर पर संबंधित एसडीएम को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। बताया कि सभी 115 परीक्षा केदो पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट उसके अलावा अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक बाहर की विद्यालय के तैनात होंगे।वहीं 40 बच्चों पर दो कक्ष निरीक्षकों के तैनाती होगी इस तरह कुल परीक्षा केंद्रों पर लगभग 3200 कक्ष निरीक्षकों की तैनाती होंगी।सभी परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी पर तैनात सभी कक्ष निरीक्षकों का पूरा विवरण भी दीवारों पर चस्पा होगा और अगर कोई अनुपस्थित पाया गया तो उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही भी की जाएगी।बताया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा की दृष्टि से एक उप निरीक्षक समेत चार सुरक्षा कर्मियों तैनाती रहेगी।पूरे परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर जहां जीआईसी में बने कंट्रोल रूम से नजर रखी जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के साथ–साथ जीआईसी कंट्रोल रूम के अलावा सभी परीक्षा केदो पर इलाहाबाद बोर्ड,बनारस बोर्ड के अलावा लखनऊ निदेशालय से भी मॉनिटरिंग रहेगी।

‘शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण हो– अनुनय झा’

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘हरदोई’ शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में आज कुल 63 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जन सुनवाई में एक राशन कार्ड, एक दिव्यांग पेंशन, दो बाल सेवा योजना तथा एक निराश्रित महिला पेंशन के संबंध में तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये तथा प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहें।

वंदे भारत के कोच नंबर 14 के खिड़की पर हुए पथराव से रेल विभाग में मचा हड़कंप

अयोध्या।आनंद विहार से अयोध्या कैंट आने वाली गाड़ी संख्या 22426 पर शुक्रवार को अराजक तत्वों ने पथराव किया जिसके चलते कोच नंबर सी 14 के सीट नंबर 38 व 39 के खिड़की का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया।बताते चले कि जब यह ट्रेन अयोध्या कैंटर रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो कोच नंबर के 14 का शीशा टूटा देखा तो रेलवे कर्मियों में हड़कंप मच गया।उन्होंने मैसेज तथा अन्य पत्राचार के माध्यम से इस घटना की सूचना विभाग के अधिकारियों को दिया।सूत्रों की माने तो कल यानी कि गुरुवार को भी वंदे भारत ट्रेन के एक कोच का शीशा भी कुछ क्षतिग्रस्त था उसे भी बदल गया था। गनीमत इस बात की रही कि फेका गया पत्थर किसी यात्रियों को नहीं लगी।क्योंकि जहां पर पत्थर लगा था वहां पीछे से लोहे का फ्रेम था।जबकि देखा जाए सुरक्षा की दृष्टि से यह ट्रेन महंगी तथा अति सुरक्षा वाली मानी जाती है।परंतु इसके बावजूद भी इस तरह के घटनाएं हो रही हैं।आज शुक्रवार को अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत से यात्रा करने वाले यात्रियों ने भी कहा कि अब यह ट्रेन भी सुरक्षित नहीं रह गई है चाहे अंदर से हो या फिर चाहे बाहर से। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक आफ हरीश शाही ने बताया कि यह मामला काफी गंभीर है।इस ट्रेन पर पत्थर बाजी कहां पर हुई इसका पता नहीं लग पाया है।इस कोच में ड्यूटी पर तैनात टीटी, कोच अटेंडेंट ने बताया कि यह पथराव जब हुआ तो उन्हें इसकी जानकारी नहीं हुई।वही इस सीट पर यानी की सीट नंबर 38,39 पर बैठे पैसेंजरों का भी पता नहीं चल पाया है।फिलहाल इस घटना के बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।उन्होंने बताया कि इस तरह की घटना ना हो इसके लिए बीच–बीच में रेलवे सुरक्षा बल की कर्मियों द्वारा रेल की पटरियों व कैंट रेलवे स्टेशन के आसपास बीच बीच मे अभियान चलाया जाता है। चेकिंग के दौरान जो भी संदिग्ध अवस्था में पाया जाता है उसके विरुद्ध विभाग द्वारा विधिक कार्यवाही की जाती है।

क्षतिग्रस्त पटिया बदलने एवं पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए महापौर ने दिये निर्देश

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।श्नगर की सरकार आपके द्वारश अभियान के तहत महापौर गिरीश पति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त श्री जयेंद्र कुमार ने अमानीगंज वार्ड का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने होलिका दहन स्थल पर पार्क बनवाने एवं बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा लगवाने पर सहमति जताई।सुबह के लगभग पौने आठ बजे महापौर व नगर आयुक्त अमानीगंज वार्ड के बहादुरगंज स्थित पीपल के पेड़ के पास पहुंचे तो पार्षद प्रतिनिधि सुनील यादव ने स्थानीय नागरिकों के साथ उनका स्वागत किया। यहां स्थानीय नागरिकों ने प्रधानमंत्री आवास दिलाने की मांग की। महापौर ने अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ को नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) से समन्वय स्थापित कर आवास दिलाने का निर्देश दिया। थोड़ा आगे बढ़ने पर सेवानिवृत्त कैप्टन डीके उपाध्याय ने निर्माणाधीन साहबगंज नाले से छोटे नाले–नालियों को जोड़ने की मांग उठाई। महापौर ने आर्यावर्त अकादमी के पास नाला तक जाकर स्थिति का अवलोकन किया और सहायक अभियंता राजपति यादव को अयोध्या विकास प्राधिकरण से संपर्क कर लोगों की जरूरत को देखते हुए नालियों को नाले से लिंक करने का निर्देश दिया। उन्होंने यहां गंदगी देखने पर नाराजगी जताई और कूड़ा हटवा कर सफाई कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान वृद्ध ज्ञानमती ने पेंशन की मांग की तो वहीं कई जगह गंदगी देखकर महापौर ने गोबर हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने क्रॉसिंग एवं नालियों पर टूटी हुई पटिया ठीक करने का भरोसा दिया। उन्होंने परिक्रमा मार्ग पर नाला निर्माण के चलते घरों के सामने जल भराव को देखकर नाराजगी जताई। पठान टोलिया के पास बिजली का खंभा टेढ़ा होने पर नगर आयुक्त ने संबंधित विभाग को खंभा बदलवाने का निर्देश दिया।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय ने बताया कि पार्षद सुमन यादव के आग्रह पर होलिका दहन स्थल पर छोटे–छोटे पार्क बनवाने झूला एवं स्लाइड लगवाने के साथ ही बाबा साहब की प्रतिमा लगवाने का वादा किया। पठान टोलियां में आराध्या गौतम ने पेयजल समस्या की ओर महापौर का ध्यानाकर्षण कराया। वार्ड में शौचालय बंद होने को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भारत भार्गव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, धनंजय सिंह, दीपक पांडे, रामचंद्र शर्मा आदि थे।

‘राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत जिला स्तरीय क्विज व विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखाया वैज्ञानिक हुनर’

जौनपुर । बेसिक शिक्षा विभाग जौनपुर द्वारा राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत गुरुवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) सभागार में जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता एवं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल एवं उप शिक्षा निदेशक डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने जिलाधिकारी का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। केजीबीवी करंजाकला की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना व स्वागत गीत ने सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में जनपद के प्रत्येक विकासखंड से चयनित छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता में शीर्ष पांच तथा विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में शीर्ष पांच विद्यार्थियों को विजेता घोषित किया गया। विजेताओं को जिलाधिकारी द्वारा टैबलेट, बैग, विज्ञान पुस्तकें, प्रमाण पत्र एवं क्विज विजेताओं को रु० 2000 नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कहा कि विज्ञान जिज्ञासा, नवाचार और भविष्य निर्माण का आधार है। उन्होंने विद्यालयों में निपुण भारत मिशन, स्वच्छता अभियान एवं शैक्षिक नवाचारों की सराहना करते हुए प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही मध्यान्ह भोजन में स्थानीय पौष्टिक सब्जियों को शामिल करने की अपील की। उप शिक्षा निदेशक डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों के मॉडलों को सराहनीय बताते हुए निरंतर सीखने के लिए प्रेरित किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक प्रशिक्षण विशाल कुमार, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी आलोक कुमार गुप्ता, एसआरजी टीम, डायट प्रवक्ता एवं विभिन्न विकासखंडों के शिक्षक मौजूद रहे। संचालन नूपुर श्रीवास्तव ने किया।

संक्षिप्त खबरें

अन्त्योदय कार्डधारकों को नियमित खाद्यान्न का नि : शुल्क वितरण 8 फरवरी से 26 फरवरी तक – डीएसओ

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जनपद के समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को अवगत कराया जाता है कि माह फरवरी, 2026 के सापेक्ष राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत नियमित खाद्यान्न (गेहूंध्चावल) का निःशुल्क वितरण दिनांक 08 फरवरी से प्रारम्भ होकर दिनांक 26 फरवरी तक सम्पन्न होगा।इस बात की जानकारी डीएसओ ने दिया।बताया कि उक्त अवधि में अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 कि०ग्रा० खाद्यान्न (14 कि०ग्रा० गेहूँ व 21 कि०ग्रा० चावल) तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 कि०ग्रा० खाद्यान्न (02 कि०ग्रा० गेहूँ व 03 कि०ग्रा० चावल) का निःशुल्क वितरण सुनिश्चित कराया जायेगा। खाद्यान्न के निः शुल्क वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्धा रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगें।माह फरवरी, 2026 के सापेक्ष नियमित खाद्यान्न वितरण की अन्तिम तिथि 28 फरवरी, 2026 निर्धारित है। जिन कार्डधारकों का ई–पॉस मशीन पर अँगूठा नहीं लगता है, वह दिनांक 26 फरवरी, 2026 को पहचान पत्र (आधार कार्ड) तथा मोबाइल के साथ सम्बन्धित कोटे की दुकान पर जाकर मोबाइल ओ०टी०पी० के माध्यम से अपना खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय का कांग्रेस ने किया स्वागत

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम एवं पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण निर्णय का स्वागत किया है, जिसमें आदेश दिया गया है कि 1 जनवरी 2026 से वाहनों के आगे–पीछे की केवल फोटो खींचकर बनाए गए चालान न्यायालय में मान्य नहीं होंगे तथा चालान की वैधता के लिए चालक के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।इस मौके पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह निर्णय आम वाहन चालकों के हित में एक ऐतिहासिक कदम है। लंबे समय से वाहन चालक केवल फोटो के आधार पर बनाए गए चालानों के कारण अनावश्यक परेशानियों और मानसिक उत्पीड़न का सामना कर रहे थे। कई मामलों में बिना चालक की जानकारी के चालान जारी कर दिए जाते थे, जिससे निर्दोष लोगों को कठिनाई उठानी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करेगा। अब वाहन चालक पुलिस उत्पीड़न का जो शिकार होते थे, उससे उन्हें राहत मिलेगी और न्याय व्यवस्था में उनका विश्वास और मजबूत होगा।

जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया

जौनपुर। सिविल जज सी0डि0/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर सुशील कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में वषयों तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बच्ची देवी व अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य में पारित दिशा–निर्देश के अनुपालनमें श्री सुशील कुमार सिंह, सिविल जज सी0डि0 सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर की अध्यक्षता में आज 06 फरवरी 2026 को ‘‘तहसील सभागार मड़ियाहूँ, जौनपुर’’ में विधिक साक्षरता/जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। वक्ताओं के क्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह जौनपुर के द्वारा बच्ची देवी बनाम स्टेट यू0पी0 व अन्य के बारे में माननीय उच्च और उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों को विस्तार से समझाया गया और बताया। कन्या भ्रूण हत्या एवं महिला सशक्तिकरण के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा की महिलाएं जागरूक होगी तो देश भी जागरूक होगा। उन्होंने लोगों से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सहायता लेने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समाज और देश की आवश्यकता अनुसार विधियो में परिवर्तन और संशोधन होता रहता है। इसके अतिरिक्त बच्चों के अधिकार और स्थाई लोक अदालत के बारे में भी विस्तार से जानकारी देते हुए इस संबंध के टोल फ्री नंबर को याद रखने की बात कही गयी। उनके द्वारा बताया गया कि व्यक्तिगत बंदी की सामाजिक आर्थिक रिपोर्ट आ जाने के बाद संबंधित न्यायालय को तत्काल बंदी के जमानत प्रक्रिया को मानवीय एवं संवैधानिक अनुक्रम में त्वरित गति से किया जाना आवश्यकहै। उन्होंने 14 मार्च को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक विवादों को सुलह समझौते द्वारा निश्चित करने पर बल दिया और कहा कि यह एक अस्थाई समाधान है और इसमें कोर्ट फीस भी वापस हो जाती है। डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल डॉ दिलीप कुमार सिंह के द्वारा महिलाओं और बच्चों के अधिकार के बारे में महिला सशक्तिकरण के बारे में बताया गया की प्राचीन काल में भारत में महिला और पुरुष में कोई भी विभेद नहीं था स्त्री और बालकों को विधान और संविधान में संपूर्ण सुरक्षा दी गई है किसी महिला को पुलिस सूर्यास्त के बाद गिरफ्तार नहीं कर सकती 14 वर्ष से कम बालकों को खतरनाक कामों में लगाया नहीं जा सकता है समान काम के लिए महिलाएं समान वेतन पाने और मातृत्व अवकाश की हकदार हैं।और उन्हें प्राधिकरण से भी हर संभव सहायता दी जाती है और उन्होंने कहा कि यदि नारियां संकल्प कर ले तो दहेज इत्यादि प्रथम अपने आप समाप्त हो जाएगी। बच्ची देवी बनाम स्टेट में माननीय सर्वोच्च और उच्च न्यायालय के द्वारा दिशा निर्देश दिए गए हैं कि यदि मुकदमे में 7 वर्ष या उससे कम की सजा है तो पुलिस सामान्य रूप से ऐसे लोगों को गिरफ्तार नहीं करेगी और चार्जशीट प्रस्तुत होने पर उन्हें व्यक्तिगत बंधपत्र या एकल जमानत पर छोड़े जाने का प्रावधान के बारे में व्यापक दिशा निर्देश हैं जमानत एवं स्वतंत्रता हर व्यक्ति का अधिकार है और उन्हें अकारण जेल में बंद नहीं रखना चाहिए जमानत की प्रक्रियाओं को सरल और मानवीय होना अत्यंत आवश्यक है । सत्येंद्र अंटील मुशीर आलम जैसे मामलों के दिशा निर्देश का पालन किया जाना आवश्यक हैदेश प्रेम अनुशासन बच्चों को समय का सदुपयोग करने और मोबाइल की अश्लीलता से बचकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया साथ ही साथ कहा की 100, 112, 1098,333 101 जैसे आवश्यक नंबर सबको याद रखना चाहिए। तहसीलदार मडियाहू राकेश कुमार के द्वारा शासन और प्रशासन की महिलाओं और बच्चों के बारे में दिए जा रहे सहायता और सुविधाओं का विस्तार से उल्लेख किया और बताया कि प्रशासन प्राधिकरण के दिशा निर्देशों के अनुक्रम में संपूर्ण सहयोग देने को तात्पर्य है इसी क्रम में थाना प्रभारी मडियाहूं के द्वारा भी बच्चों और महिलाओं के बारे में पुलिस के द्वारा दी गई सहायता और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस सेमिनार में सचिव सुशील कुमार सिंह डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह, तहसीलदार मडियाहू राकेश कुमार, प्राधिकरण के सुनील कुमार मौर्य, डाटा एंट्री ऑपरेटर शिव शंकर सिंह और सुभाष यादव पीएलबी और राकेश कुमार यादव उपस्थित रहे।

पिंक रोजगार मेले में 145 युवतियों को मिला रोजगार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुनानक एजुकेशन सोसाइटी, अयोध्या एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, अयोध्या के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 05 फरवरी को प्रातः 10 बजे से गुरुनानक अकादमी गर्ल्स इण्टर कालेज परिसर, उसुरू रायबरेली रोड, अयोध्या जनपद में केवल बेटियोंध्महिलाओं के लिये एक दिवसीय पिंक रोजगार मेले के आयोजन में 355 बेरोजगार युवतियों ने प्रतिभाग किया जिसमें निजी क्षेत्र की तकनीकीध्गैर तकनीकी प्रतिष्ठित कम्पनियों के एच०आर० द्वारा 145 बेरोजगार युवतियो का चयन किया गया। इसी क्रम में एक कॅरियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। रोजगार मेले में उपस्थित युवतियों को सफल होने के कई गुण बताएं तथा यह भी कहा गया कि वे अपने लक्ष्य के प्रति दृढ संकल्प एवं कठिन परिश्रम करने से ही लक्ष्य की प्राप्ति हो सकती है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।